



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 3 जनवरी, 2000/13 पौष, 1921

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्मिक विभाग

(सचिवालय प्रशासन सेवाएँ-I)

अधिसूचना

शिमला-171 002, 18 दिसम्बर, 1999

संख्या कार्मिक (सचि० प्रशा०-I)बी(2)-2/85-II.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, इस विभाग की अधिसूचना संख्या कार्मिक (सचि०-प्रशा०-I)ए (3)-3/85, दिनांक 8 सितम्बर, 1994 द्वारा अधिसूचित हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन सेवाएँ) में मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष, वर्ग-II (राजपत्रित) के पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1994 में संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ — (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कार्मिक विभाग (सचिवालय प्रशासन सेवाएँ) मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष, वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति (प्रथम संशोधन) नियम, 1999 है।

(2) ये नियम, राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किये जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. उपाबन्ध 'अ' में संशोधन.—हिमाचल प्रदेश कायिक विभाग (सचिवालय प्रशासन सेवाएँ), वर्ग-II (राजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियम, 1994, के उपाबन्ध 'अ' में:—

(क) स्तम्भ 4 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“रू० 7880-220-8100-275-10300-340-11660 जमा रुपये 400/- प्रति माह सचिवालय भत्ता।”

(ख) स्तम्भ 6 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“18 से 38 वर्ष”

(ग) स्तम्भ 11 के सामने विद्यमान उपबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

पुस्तकालयाध्यक्षों में से प्रोन्नति द्वारा जो निम्नलिखित शैक्षणिक अर्हताएं और सेवा रखते हों:

“जो मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से पुस्तकालय विज्ञान में उपाधि/डिप्लोमा सहित स्नातक है और जिनका 3 वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में 31-3-98 तक की गई लगातार तदर्थ सेवा, को सम्मिलित करके 3 वर्ष का संयुक्त नियमित सेवाकाल हो।

प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरण पद में 31-3-1998 तक की गई निरन्तर तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरण पद पर तदर्थ नियुक्ति/भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाते के पश्चात् की गई थी:

परन्तु यह कि जहां उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरण पद में अपने कुल सेवाकाल 31-3-1998 तक तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो, को शामिल करके के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/कांडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे:

परन्तु उन सभी पदधारियों की जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किये जाने के विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उसमें कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जायेगा।

स्थायीकरण.—अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदवागे प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जायेगा।

यदि वरिष्ठ अग्रज व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाइज्ड आर्मेड फोर्सिस परसोनल (रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन हिमाचल स्टेट नान-टैक्नीकल सर्विसिज) क्लज, 1972 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो तथा इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गए हों या जिसे एकस सर्विसमें रिजर्वेशन आफ वेकेंसीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज क्लज, 1985 के नियम 3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिये गये हों।

(2) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियुक्ति/प्रोन्नति से पूर्व 31-3-1998 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जायेगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों के अनुसार की गई थी:

परन्तु 31-3-98 तक की गई तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक बरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

- (घ) स्तम्भ 17 के सामने विद्यमान उपाबन्धों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायगा, अर्थात :—
 “सेवा में प्रत्येक सदस्य को समय-समय पर यथा संशोधित हिमाचल प्रदेश विभागीय परीक्षा नियम, 1997 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास्ति करनी होगी।”

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/-

आयुक्त एवं सचिव।

[Authoritative English text of Government Notification No. Per (SAS-I)B(2)-2/85-II, dated 18-12-1999 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

PERSONNEL DEPARTMENT
(Secretariat Administration Services-I)

NOTIFICATION

Shimla-171 002, the 18th December, 1999

No. Per(SAS-I)B(2)-2/85-II.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor, Himachal Pradesh in consultation with Himachal Pradesh Public Service Commission is pleased to make the following rules to amend the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration Services) Chief Librarian (Class-II, Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1994, notified by this department vide notification of No. Per(SAS-I)A(3)-3/85, dated 8th September, 1994, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration Services) Chief Librarian (Class-II, Gazetted) Recruitment and Promotion (First Amendment) Rules, 1999.

(2) These rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment in Annexure ‘A’.*—In Annexure ‘A’ to the Himachal Pradesh Department of Personnel (Secretariat Administration Services) Chief Librarian (Class-II, Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 1994 :

(a) For the existing provisions against column No. 4 the following shall be substituted, namely:—

“Rs. 7880-220-8100-275-10300-340-11660+Rs. 400/- per month Secretarial Allowance.”

(b) For the existing provisions against column No. 6, the following shall be substituted, namely :—

“Between 18 to 38 years.”

(c) For the existing provision against Column No. 11, the following shall be substituted, namely :—

(i) By promotion from amongst the Librarians who possess the following educational qualifications and service:—

“Who is Graduate with Degree/Diploma in Library Science from a recognised University/Institute and possess 3 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* rendered upto (31-3-1998) service in the grade.

In all cases of promotion, the continuous *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the condition that the *ad hoc* appointment/promotion in the feeder category had been made after following proper acceptable process of selection in accordance with the provisions of Recruitment and Promotion Rules, provided that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1998) followed by regular service/appointment in the feeder post in view of the provision referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least 3 years or that prescribed in the Recruitment & Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirement of the preceding proviso, the person(s) junior to also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Exp: last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible persons happened to be Ex-servicemen under the provisions of Rule 3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provisions of Ex-servicemen (Reservation of Vacancies in Himachal Pradesh Technical Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

2. Similarly in all cases of confirmation continuous *ad hoc* service rendered on the feeder post upto 31-3-1998, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service, if the *ad hoc* appointment/promotion had been made after proper selection and in accordance with the provision of the R & P Rules :

Provided that *inter-se* seniority as a result of confirmation after taking into account, *ad hoc* service rendered upto 31-3-1993 as referred to above shall remain unchanged.

(d) For the existing provision against Column No. 17, the following shall be substituted, namely:—

“Every member of the service shall pass the Departmental Examination as prescribed Examination Rules, 1997.”

By order,

Sd/-
Commissioner-cum-Secretary.